West Bengal by the Central Government during the year 1969-70 for curbing the activities of the extremists in those States ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): Although the State Governments of West Bengal and Kerala were not provided any assistance specifically to curb the activities of the extremists, 49 Coys of CRP and 18 Coys of BSF and 16 Coys, of CRP and two of BSF were stationed during 1969-70 at convenient central locations in West Bengal and Kerala respectively, for maintenance of Law and Order in aid of Civil authorities. Besides, as a part of the general scheme of modernising police equipment in States with a view to making the force more effective, more mobile etc. West Bengal and Kerala were given Rs. 1:25 lakhs and Rs. 4 lakhs respectively as financial assistance during 1969-70. Twenty five percent of this assistance was grant-in-aid and the rest was loan.

POLITICAL CLASHES IN BENGAL

934. SHRI LAL K. ADVANI : DR. BHAI MAHAVIR :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state.

(a) the total number of persons killed or wounded in the course of political clashes in West Bengal during the past three years since March, 1967 ; and

(b) the number of cases in which the guilty persons have been apprehended?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) and (b) Facts are being ascertained from the State Government.

आंध्र प्रदेश में नक्सलवादियों द्वारा की गई बर्बरतायें

935. डा० भाई महावीर :
श्री लाल आडवाणी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 21 मार्च, 1970 के "दि आर्गेनाइजर" में प्रकाशित उस समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें आन्ध्र प्रदेश में नक्सलवादियों द्वारा नृशंश हत्याओं और अन्य बर्बरतापूर्ण कृत्यों का विवरण दिया गया है ;

(ख) क्या आन्ध्र प्रदेश की सरकार ने इन घटनाओं के सम्बन्ध में केन्द्र को कोई रिपोर्ट भेजी है और उनको रोकने के लिए कोई सहायता मांगी है ; और

(ग) यदि हां, तो इस पर भारत सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

t [BRUTALITIES COMMITTED BY NAXALI-TIES IN ANDHRA PRADESH

935. DR. BHAI MAHAVIR : SHRI LAL K. ADVANI :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the attention of the Government of India has been drawn to a report published in 'The Organiser' dated the 21st March, 1970 wherein details regarding cruel murders and other barbarous activities indulged in by the Naxalities in Andhra Pradesh have been given;

(b) whether any report has been sent by the Government of Andhra Pradesh to the Centre regarding these incidents and any assistance has been sought for to check them; and

(c) if so, the reaction of the Government of India thereto'.']

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) जी हां, श्रीमन् ।

(ख) तथा (ग) राज्य सरकार का अनुमान है कि "आर्गेनाइजर" में प्रकाशित रिपोर्ट राजकीय सूचना तथा लोक सम्पर्क विभाग द्वारा जारी की गई पुस्तिका पर आधारित है । "आन्ध्र प्रदेश में नक्सलपंथी हिंसा" शीर्ष उक्त पुस्तिका की एक प्रति सदन के पटल पर रखी जाती है । [देखिए परिशिष्ट LXXII अनुपत्र संख्या 45] केन्द्रीय सरकार उग्रपंथियों की गतिविधियों

†[ ] English translation.

के बारे में राज्य सरकार के साथ पूरा सम्पर्क बनाये हुए हैं और राज्य सरकार द्वारा समय समय पर जो भी सहायता मांगी जाती है, देती है।

ttTHE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHKI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (i) Yes, Sir.

(b) and (c) According to the State Government, t lie report published in the 'Organiser' appears to be based on a booklet issued by the Director of Information and Public Relations Department, Andhra Pradesh, under the caption "Naxalit Violence in Andhra Pradesh". A ;opy of this pamphlet is laid on the Ti ble of the House. *[See* Appendix LX2QI, Annexure No. 45]. The Central Government keep in close touch with thi State Government regarding the ac ivities of extremists and provide such assistance as may be sought by theni from time to time.]

स्कूलों तथा कालेजों की पाठ्य पुस्तकों का छापा जाना

936. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या शिक्षा तथा युवा-सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विभिन्न राज्यों में पुस्तकों की भारी मांग को पूरा करने के लिए केन्द्र तथा राज्यों में पाठ्य पुस्तकें छापने की क्या व्यवस्था है ;

(ख) क्या यह सच है कि स्कूल, कालेज और विश्वविद्यालय स्तर की पुस्तकों के छपने में विलम्ब के कारण या तो इन पुस्तकों के जाली संस्करण निकाले जाते हैं या सरकार को उन्हें विदेशों से आयात करना पड़ता है; और

(ग) क्या सरकार इस मामले की जांच करेगी और इस सम्बन्ध में उचित व्यवस्था करेगी?

f[PRINTING OF SCHOOL AND COLLEGE TEXT BOOKS

936. SHRI J. P. YADAV : Will the Minister of EDUCATION AND YOUTH SERVICES be pleased to state :

(a) what arrangements exist at the Centre as well as in the States for printing of text books for the purpose of meeting heavy demands of books in different States of the Country;

(b) whether it is a fact that due to delay in the printing of school, college and University books either take editions of books are printed or they have to be imported by Government from abroad; and

(c) whether Government propose to look into the matter and make proper arrangements in this regard?]

शिक्षा तथा युवा-सेवा मंत्री (प्रो० वी० के० आर० वी० राव) : (क) से (ग)

स्कूलों की पाठ्य पुस्तके

स्कूल स्तर की पाठ्य पुस्तके राज्य सरकारों द्वारा निर्धारित की जाती हैं। जहां तक राष्ट्रीयकृत पुस्तकों का सम्बन्ध है उनके छापने की व्यवस्था राज्य सरकारों द्वारा की जाती है। कोई केन्द्रीय व्यवस्था नहीं है। कुछ राज्यों के अपने निजी छापेखाने हैं और कुछ राज्यों में गैर सरकारी प्रेसों के जरिये काम कराया जाता है। जर्मन संघ गणराज्य की सहायता से, केन्द्रीय सरकार, चंडीगढ़, भुवनेश्वर तथा मैसूर में प्रत्येक में एक एक के हिसाब से तीन छापखाने स्थापित कर रही है और ये छापेखाने प्रादेशिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पाठ्य पुस्तकों के छापने में सहायता करेंगे। विदेशों से प्रेस मंगाने में रुचि रखने वाले प्रत्येक राज्य के लिये एक एक प्रैस प्राप्त करने के वास्ते भी कारवाईयां की जा रहीं है। भारत में छपने में विलम्ब के कारण विदेशों से आयात की जाने वाली स्कूल स्तरों की पाठ्य पुस्तकों के बारे में सरकार को कोई सूचना नहीं है।

कालेजों के लिये पाठ्य पुस्तके

केन्द्र द्वारा कालेजों के लिये पाठ्यपुस्तके मुद्रित करने की कोई व्यवस्था नहीं है। सरकार

tt] English translation.